प्रथमः पाठः

4LRCT2

# क्रीडा - महोत्सवः

**(अकारान्ताः पुल्लिंगशब्दाः वर्तमानकालः च)**

अद्य विद्यालयस्य वार्षिक - क्रीडा - महोत्सवः अस्ति | विद्यालयस्य परिसरे एव क्रीडाक्षेत्रम् अस्ति | अवनीशः, उमेशः, गोकुलः साधना, गीता इत्यादयः बालकाः बालिकाः च हस्तकन्दुके निपुणाः सन्ति | इदानीं षष्ठकक्षायाः सप्तमकक्शायाः च छात्राणाम् परस्परं क्रीडाप्रतियोगिता प्रचलति |

अस्माकं क्रीडाध्यापकाः निर्णायकाः भवन्ति | अवनीशस्य नेतृत्वे छात्राः आगच्छन्ति | क्रीडादर्शनाय विद्यालयस्य सर्वे छात्राः उपस्थिताः सन्ति | ते करतलवादनेन कोलाहलेन च क्रीडाकानां छात्राणाम् उत्साह्वर्धनं कुर्वन्ति | क्रीडायाः पश्चात् प्रधानाध्यापकः पुरस्काररूपेण कन्दुकं वितरति | अध्यापकाः छात्रेभ्यः मिष्टान्नं वितरन्ति | स्वास्थ्यलाभाय क्रीडा भवति |

## शब्दार्थ

**अद्य** = आज | **परिसरे** = मैदान में | **क्रीडाक्षेत्रम्** = खेल का मैदान | **हस्तकन्दुके** = बालीबाल में | **क्रीडाध्यापकाः** = खेल के अध्यापक | **करतलवादनेन** = ताली बजाने से

| **कोलाहलेन** = हल्ला करने से | **क्रीडाकानां छात्राणाम्** = खेलने वाले छात्रों के | **वितरन्ति** = बाँटते हैं |

अभ्यास

**1. उच्चारण करें-**

वार्षिकम्   क्रीडाक्षेत्रम्   स्वास्थ्यम्   उत्साहवर्धनम्

मिष्टान्नम्   पश्चात्   क्रीडायाः   स्वास्थ्यलाभाय

**2. एक पद में उत्तर दें-**

(क) विद्यालये अद्य किम् अस्ति?

(ख) उमेशः कस्मिन् क्रीडायां निपुणः अस्ति?

(ग) कस्य नेतृत्वे छात्राः आगच्छन्ति?

(घ) छात्राः किं कुर्वन्ति?

(ङ) अध्यापकाः किं वितरन्ति?

**3. मंजूषा से उचित पदों का चयन कर रिक्त स्थानों को भरें-**

निर्णायकाः   अस्ति   कन्दुकं   नेतृत्वे   छात्रेभ्यः

(क) विद्यालयस्य परिसरे एव क्रीडाक्षेत्रम् ............।

(ख) अस्माकं क्रीडाध्यापकाः ............. भवन्ति।

(ग) अवनीशस्य ............. छात्राः आगच्छन्ति।

(घ) प्रधानाध्यापकः पुरस्काररूपेण ............ वितरति।

(ङ) अध्यापकाः ............ मिष्टान्नं वितरन्ति।

**4. रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण करें-**

(क) अद्य <u>विद्यालयस्य</u> वार्षिक-क्रीडामहोत्सवः अस्ति।

(ख) प्रधानाध्यापकः पुरस्काररूपेण <u>कन्दुकं</u> वितरति।

(ग) <u>अध्यापकाः</u> छात्रेभ्यः मिष्टान्नं वितरन्ति।

**5. हिन्दी में अनुवाद करें -**

(क) विद्यालयस्य परिसरे एव क्रीडाक्षेत्रम् अस्ति।

(ख) छात्राणां परस्परं क्रीडाप्रतियोगिता प्रचलति।

(ग) छात्रेभ्यः मिष्टान्नं वितरन्ति।

(घ) स्वास्थ्यलाभाय क्रीडा भवति।

(ङ) प्रधानाध्यापकः कन्दुकं वितरति।

**6. नीचे कर्ता, कर्म और धातु दिये गये हैं, उनमें उचित विभक्तियों को जोड़कर वाक्य रचना करें-**

छात्र पुस्तक पठ् यथा- छात्रः पुस्तकं पठति।

करीम ओदन खाद् = ....................।

रमेश ग्राम गच्छ् = ....................।

पीटर पत्र लिख् = ....................।

रमा कन्दुक नी (नय्) = ....................।

**विशेष-**

(क) जिन शब्दों के अन्तिम अक्षर में 'अ' स्वर होता है उन्हें अकारान्त शब्द कहते हैं, जैसे- नर,

(न्+अ+र्+अ) छात्र, अनिल, रमेश, घट, पट, अश्व, भ्रमर, मृग, गज आदि। ये सभी शब्द पुंल्लिङ्ग हैं। इनके अतिरिक्त फल, जल, पुष्प आदि अकारान्त शब्द नपुंसकलिङ्ग होते हैं। परिशिष्ट में दिये गये अकारान्त पुंल्लिङ्ग शब्द 'बालक' के रूप को देखें और इसी प्रकार उपर्युक्त सभी अकारान्त पुंल्लिङ्ग शब्दों के प्रथमा एवं द्वितीया विभक्ति में रूपों का अभ्यास करें।

(ख) किसी काम के करने को क्रिया कहते हैं। जो काम चल रहा हो उसे वर्तमान काल की क्रिया कहते हैं। 'जाता है, जाती है, नहीं जाते हैं' यह वर्तमान काल की क्रिया कहलाती है। इसी प्रकार जिसके अन्त में 'ता है, ती है या ते हैं' चिह्न होता है, उसे वर्तमान काल की क्रिया कहते हैं। इस क्रिया को बताने के लिए धातु के लट्लकार के रूप का प्रयोग होता है। परिशिष्ट में दिये गये 'पठ्' धातु के लट्लकार-रूप को देखें तथा निम्नांकित धातुओं के लट्लकार के रूप का भी अभ्यास करें-

नम्=नमस्कार करना। धाव्=दौड़ना। वद्=बोलना। दृश् (पश्य)=देखना। प्रच्छ् (पृच्छ्)=पूछना। चल्=चलना। खेल्=खेलना। उत्पत्=उड़ना। भू=होना। गम् (गच्छ)=जाना। अस्=होना।

**शिक्षण-संकेत -**

(क) 'गम्' और 'अस्' धातुओं के लट्लकार के रूप का अभ्यास कराएँ।

(ख) पाठ में अकारान्त पुल्लिंग शब्दों के विविध रूपों का प्रयोग हुआ है। छात्रों को उनका अभ्यास कराएँ।

सत्यमेव जयते।